DURG VISHWAVIDYALAYA, DURG (C.G.)

Website - www.durguniversity.ac.in, Email - durguniversity@gmail.com

SCHEME OF EXAMINATION

&

SYLLABUS

Of

M.A.(Political Science) Annual Exam

UNDER

FACULTY OF ARTS

Session 2017-18

(Approved by Board of Studies)

Effective from July 2017

अमहाविद्यालयीन परीक्षार्थियो के लिए एम. ए. राजनीति विज्ञान में निम्नानुसार प्रश्नपत्र होगें–

एम.ए. पुर्वार्द्ध– निम्नांकित चार प्रश्नपत्र होंगे–

1- राजनीतिक चिन्तन Political Thought
2. भारतीय शासन एवं राजनीति Indian Government & Politics
3. तुलनात्मक राजनीति Comparative Politics
4- अंतर्राष्ट्रीय संगठन एवं भारत की विदेश नीति International Organization and Foreign Policy in India

एम.ए. उत्तरार्द्ध– निम्नांकित पांच प्रश्नपत्र होंगे–

1. अंतर्राष्ट्रीय राजनीति International Politics
2- लोक प्रशासन Public Administration
3. शोघ प्रविधि Reserarch Methodology
4- छत्तीसगढ़ के राजनीति एवं प्रशासन (Politics Administration in Chhattisgarh.)
5- अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था में तृतीय विश्व एवं मानवाधिकार Third World & Human Rights in International Order

नियमावली –

1. एम. ए. पूर्वार्द्ध एवं उत्तरार्ध के समस्त प्रश्नपत्र अनिवार्य होंगे ।
2. एम. ए. पूर्वार्द्ध में 4 प्रश्नपत्र होगा व पूर्णांक 400 होगा ।
3. एम. ए. उत्तरार्ध में पांच प्रश्नपत्र व पूर्णांक 500 होगा ।

22/7/17 22-7-17 23/7/17 22/7/17

एम.ए. पूर्वार्द्ध –राजनीति विज्ञान

M.A. PREVIOUS-POLITICAL SCINENC (NON COLLEGIATE)

प्रथम प्रश्न पत्र– राजनीतिक चिन्तन Political Thought

इकाई–1	भारत के शांतिपर्व में राजनीति विचार, कौटिल्य, स्वामी विवेकानंद, माहात्मा गांधी
ईकाइ–2	डॉ. भीमराव अम्बेडकर, जयप्रकाश नारायण, एम.एन. राय, राममनोहर लोहिया
ईकाइ–3	प्लेटो, अरस्तु
ईकाइ–4	होब्स, लॉक, रूसो, मैकियावेली
इकाई–5	बैंथम, जे.एस. मिल, ग्रीन
इकाई–6	मार्क्स, माओ

द्वितीय प्रश्न पत्र – भारतीय शासन एवं राजनीति Indian Government & Politics

इकाई–1	भारतीय संविधान की पृष्ठभूमि, संगठन, कार्यप्रणाली वैचारिक आधार श्रोत प्रस्तावना, भारतीय संविधान की विशेषताएं, मौलिक अधिकार, मौलिक कर्त्तव्य, नीति निर्देशक तत्व, संविधान संशोधन प्रक्रिया
ईकाइ–2	संघीय कार्यपालिका राष्ट्रपति एवं मंत्रीपरिषद्, संघीय न्यायपालिका, सर्वोच्च न्यायालय, न्यायिक सक्रियता, न्यायिक सुधार
ईकाइ–3	भारतीय राजनीति कर चुनौतियां : जातिवाद, क्षेत्रवाद, भाषावाद, भ्रष्टाचार, सम्प्रदायवाद एवं अपराधीकरण
ईकाइ–4	राज्य की कार्यपालिका : राज्यपाल, मुख्यमंत्री एवं मंत्रीपरिषद, की व्यवस्थापिकाः विधानसभा एवं विधान परिषद् राज्य की न्यायपालिका : उच्च न्यायालय एवं अधीनस्थ न्यायालय
इकाई–5	राज्य स्वायत्ता की मांग, नये राज्यों के गठन की मांग अंर्तराज्यीय नदी जल विवाद, भारत में राज्य राजनीति को प्रभावित करने वाले कारक, राज्य योजना आयोग, राज्य वित्त आयोग, राज्य निर्वाचन आयोग, भारत में राज्य राजनीति की प्रमुख प्रवृत्ति

22/7/17 22-7-17 23/7/17 22/7/17

तृतीय प्रश्न पत्र–तुलनात्मक राजनीति Comparative Politics

इकाई–1	तुलनात्मक राजनीति अर्थ, प्रकृति क्षेत्र एवं समस्याएं राजनीतिक व्यवस्था का महत्व, राजनीति व्यवस्था के अध्ययन के उपागम–डेविड ईस्टन व्यवस्था के सिद्धांत, आमण्ड एवं पावेल संरचनात्मक प्रकार्यात्मक
ईकाइ–2	परपम्परागत एवं आधुनिक राजनीति अध्ययन की विशेषताएं व्यवहारवाद एवं उत्तर व्यवहारवाद
ईकाइ–3	राजनीतिक संस्कृति, राजनीतिक समाजीकरण, राजनीतिक संचार
ईकाइ–4	सरकार का वर्गीकरण – एकात्मक संघात्मक, संसदीय अध्यक्षात्मक सरकार, संधवाद, राजनीतिक संस्थाएं – व्यवस्थापिका, कार्यपालिका एवं न्यायापालिका । शक्ति पृथक्करण सिद्धांत, अवरोध एवं संतुलन
इकाई–5	राजनीतिक दल एवं दबाव समूह, नौकरशाही संरचना कार्य एवं भूतिका, राजनीतिक विकास, राजनीतिक अभिजन, राजनीतिक सहभागिता राजनीतिक आधुनिकीकरण

चतुर्थ प्रश्न पत्रः–अंतर्राष्ट्रीय संगठन एवं भारत की विदेश नीति
International Organization and Foreign Policy in India

इकाई–1	अंतर्राष्ट्रीय संगठन की प्रकृति एवं विकास अंतर्राष्ट्रीय संगठन राष्ट्र राज्य एवं अंतर्राष्ट्रीय व्यवथता का समन्वय, राष्ट्र संघ– निर्माण, संरचना, कार्य , सफलता एवं असफलता एवं मूल्यांकन
ईकाइ–2	संयुक्त राष्ट्र संध निर्माण, संरचना कार्य विवादों के समाधान के शान्तिपूर्व एवं बाध्यकारी उपाय आर्थिक एवं सामाजिक विकास में संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका
ईकाइ–3	क्षेत्रीय संगठन – सार्क, आसियान, युनियन, ब्रिक्स
ईकाइ–4	विदेश नीति : अर्थ, प्रकृति एवं निर्धारण तत्व, भारतीय विदेश नीति के निर्धारण तत्व आन्तरिक एवं बाह्य भारतीय विदेश नीति के सिद्धांत एवं उद्देश्य, भारत और अमेरीका, भारम एवं रूस
इकाई–5	भारत और अमेरिका, भारत एवं रूस, भारत एवं पाकिस्तान, ळारत एवं चीन, भारत एवं श्रीलंका

22/7/17 22-7-17 23/7/17 22/7/17

एम.ए. उत्तरार्द्ध (अंतिम वर्ष)
राजनीति विज्ञान
M.A.FINAL-POLITICAL SCINENCE (NON COLLEGIATE)

प्रथम प्रश्न पत्र – अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के सिघांत International Politics

इकाई–1	**अंतर्राष्ट्रीय राजनीति का विषय के रूप में विकास, प्रकृति एवं क्षेत्र। अध्ययन पद्धति–परम्परा एवं वैज्ञानिक।** अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के सिद्धांत – यथार्थवाद, आदर्शवाद, साम्यावस्था, निर्णय–निर्माण, खेल, संचार एवं व्यवस्था सिद्धांत ।
ईकाइ–2	शक्ति कर अवधारणा । राष्ट्रीय शक्ति के तत्व एवं सीमाएं । शक्ति संतुलन। सामुहिक सुरक्षा – नवसाम्राल्यवाद । राष्ट्रहित और अंतर्राष्ट्रीय विचाराधारा नैतिकता ।
ईकाइ–3	निशस्त्रीकरण। परमाण अप्रसार– सी टी बी टी. एन पी टी । क्षेत्रीय संगठन– सार्क एसिआन, ओपेक
ईकाइ–4	अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में असंलग्नता– आधार, भूमिका, महत्व एवं प्रासंगिकता। शीतयुद्ध एवं शीतयुद्ध कर समाप्ति– कारण एवं परिणाम ं नई विश्व व्यवस्था
इकाई–5	उत्तर शीतयुद्ध कालीन महत्वपुर्ण मुद्दे– वैश्वीकरण, मानवधिकार, पर्यावरण, आंतकवाद। प्रमुख राष्ट्रों की विदेश नीतयां– भारत, संयुक्त रात्य अमेरीका, चीन, रूस।

द्वितीय प्रश्न पत्र – लोक प्रशासन Public Administration

इकाई–1	लोक प्रशासन : परिभाषा, प्रकृति, क्षेत्र, निजी प्रशासन से अंतर। अध्ययन के उपागम – व्यावहारिकवादी, तुलनात्मक, निर्णयपरका विकास–प्रशासन एवं नवीन लोक प्रशासन
ईकाइ–2	संगठन के सिद्धांत : नियंत्रण का क्षेत्र, आदेश की एकता, पदसोपान, प्रत्यायोजन, समन्वय। लोक निगम । भर्ती, पदोन्नती, प्रशिक्षण, सेवानृवित्त, संघ लोक अभिकरण विभागीय संगठन, स्वतंत्र नियामिकीय आयोग।
ईकाइ–3	केन्द्रीयकरण, विकेन्द्रीयकरण, मुख्य कार्यपालिका–प्रकार एवं भूमिका, सुत्र एवं स्टाफ अभिकरण, विभागिकरण संगठन, स्वतंत्र नियामिकीय आयोग ।
ईकाइ–4	कर्मिकों की समस्याओ के निवारण की व्यवस्था (भारतीय प्रशासन के विशेष कार्मिक प्रशासन संदर्भ में)। वित्तीय प्रशासन : अर्थ, प्रकृति, विशेषताएं। बजट–सिद्धांत एवं महत्व, भारत में बजट निमार्ण प्रक्रिया, कार्यपालिका, न्यायपालिका एवं जनसमूह का प्रशासन पर नियंत्रण।
इकाई–5	प्रशासनिक व्यवहार–नेतृत्व, निर्णय, संचार जवाबदेहिता लोक प्रशासन में भ्रष्टाचार आम्बुड्समैन, लोकपाल, लाकायुक्त एवं लाक संपर्क। स्थानीय स्वायतशासीय संस्थाओं की भूमिका एवं लोक संपर्क।

22/7/17 22-7-17 23/7/17 22/7/17

तृतीय प्रश्न पत्र–शोध प्रविधि Reserarch Methodology

इकाई–1	सामाजिक व्यवहार–नेतृत्व शोध की प्रकति, महत्व एवं उपयोग शुद्ध एवं व्यवहारिक शोध, शोध समस्या की पहचान, शोध अभिकल्प, उपकल्पना का निर्माण एवं परीक्षण।
ईकाइ–2	समाजिक सर्वेक्षण–उद्देश्य, महत्व, प्रक्रिया, तथ्य संकलन की तकनीकि, तथ्यों के प्राथमिक एवं द्वितीय स्त्रोत
ईकाइ–3	अध्ययन के विभिन्न प्रकार–पेनल केस एवं क्षेत्रीय अध्ययन, निदर्शन, अनुमापन प्रविधियों, प्रविधियों।
ईकाइ–4	अनुसंधान इल, अनुसंधान की समस्या, तथ्यों का वर्गीकरण एवं सारणीयन तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या।
इकाई–5	प्रतिवेदन लेखन तथ्यों का चित्रमय प्रदर्शन, सामाजिक अनुसंधान में सांख्यिकी का प्रयोग एवं सीमाएं। मीन, मोड, मीडियम। कम्प्युटर का उपयोग।

चतुर्थ प्रश्न पत्रः– छत्तीसगढ़ के राजनीति एवं प्रशासन (Politics Administration in Chhattisgarh.)

इकाई–1	राज्यों का पुनर्गठन (2000) तथा छत्तीगसढ़ का निर्माण छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण हेतु आन्दोलन, छत्तीसगढ़ की राजनीति के निर्धारण तत्व एवं विशेषता।
ईकाइ–2	छ.ग. में स्थानीय स्वशासन एवं पंचायती राज, छ.ग. में जिला प्रशासन एवं जिलाधीश की भूमिका, छत्तीगसगढ़ में लोकसभा एवं विधानसभा चुनाव, मतदान व्यवहार
ईकाइ–3	छ.ग. की राजनीति की उभरती प्रवृत्ति : जनजातीय राजनीति, किसान आन्दोलन, नक्सलवाद समस्या एवं समाधान के उपाय छ.ग. में विकास की राजनीति एवं विकास की योजनाएं।
ईकाइ–4	छत्तीगसढ़ की एतिहासिक, भौगोलिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, छत्तीसगढ़ में ब्रिटिश प्रशासन (1854 से 1947) स्वतंत्र भारत में छत्तीसगढ़ (1947–2000 तक)
इकाई–5	राष्ट्रीय आयोग मे छत्तीगसढ का योगदान : अहिंसक एवं क्रान्तिकारी संघर्ष छत्तीसगढ़ के राजनीतिक चिंतनः पं. रविशंकर शुक्ल, ठाकुर प्यारेलाल सिंह, डॉ. खुबचंद बघेल छत्तीसगढ़ के सामाजिक चिंतकः गुरू धासीदास, पं. सुन्दरलाल शर्मा, स्वामी आत्मानंद

22/7/17 22-7-17 23/7/17 22/7/17 4/8/17

पंचम प्रश्न पत्र–अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था में तृतीय विश्व एवं मानवाधिकार

Third World & Human Rights in International Order

इकाई–1	तृतीय विश्व–अवधारणात्मक विश्लेषण, सुरक्षा–दुविधा एवं निःशस्त्रीकरण की सम्भावनायें, विकास की रणनीति एवं मुल्यांकण ।
ईकाइ–2	उत्तर–दक्षिण सम्बन्धों की जटील निर्भरता–नई अंतर्राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था से विश्वव्यापार संगठन तक तृतीय विश्व की एकता की समस्याएं, समूह–77, उत्तर शीतयुद्ध काल में असंलग्नता।
ईकाइ–3	वैश्विकरण के संदर्भ में तृतीय विश्व में परिवर्तन एवं चुनौतियां, मानव अधिकार की अवधारणा–ऐतिहासिक विकास, मानवधिकार–एक या अनेक।
ईकाइ–4	मानवधिकारों का अन्तर्राष्ट्रीय–अन्तर्सरकारी संस्थात्मक संरचना का विकास, मानवधिकार एवं संयुक्त राष्ट्र चार्टर के प्रावधान, मानवधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा तथा विभिन्न अन्य प्रमंख अभिसमय (कन्वेंशन)
इकाई–5	मानवधिकारों का अन्तर्राष्ट्रीय संरक्षण–नागरीक, राजनौतिक, सामाजिक एवं आर्थिक, सामूहिक अधिकार–आत्म निर्णय का अधिकार, समस्या सम्भावनायें।

--------0-------